



TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें



2024



teachersofbihar@gmail.com



<https://twitter.com/teachersofbihar>



<https://www.youtube.com/c/teachersofbihar>



<https://www.facebook.com/teachersofbihar>



<https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar>



www.teachersofbihar.org

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्ज्वल

15 मई

1. **विश्व परिवार दिवस**— परिवार मानव समाज की सबसे छोटी इकाई है। परिवार में पति-पत्नी, भाई-बहन, माता-पिता, पुत्र-पुत्री सब अपने सामाजिक कार्यों को करते हुए, एक दूसरे से संबंध रखते हुए एक दूसरे पर प्रभाव डालते हैं तथा सामान्य संस्कृति का निर्माण एवं पालन करते हैं। सम्पूर्ण विश्व में लोगों को परिवार की अहमियत बताने के लिए वर्ष 1993 से संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव पर प्रतिवर्ष 15 मई को विश्व परिवार दिवस मनाया जाता है।

• **संदर्भ: 'पर्यावरण और हम भाग 1' के पाठ 2 'हमारा परिवार'**

2. **पियरे क्यूरी का जन्म**— प्रसिद्ध रसायनज्ञ पियरे क्यूरी का जन्म 15 मई, 1859 ई. को फ्रांस में हुआ था। उन्हें रेडियोएक्टिव खोज के लिए इनकी पत्नी मेरी क्यूरी के साथ वर्ष 1903 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार भी मिला था। इन्होंने रेडियम तथा पोलोनियम तत्वों का खोज किया।

• **क्या आप जानते हैं?**

15 मई, 1555 ई. को लुधियाना से लगभग 19 मील पूर्व में सतलज नदी के किनारे स्थित मच्छीवार नामक स्थान पर हुमायूँ एवं अफगान सरदार नसीब खाँ तथा तातरखाँ के बीच संघर्ष हुआ। संघर्ष का परिणाम हुमायूँ के पक्ष में रहा। सम्पूर्ण पंजाब मुगलों के अधिकार में आ गया।





दिवस विशेष

15 मई



मधु प्रिया

विश्व परिवार दिवस 15 मई

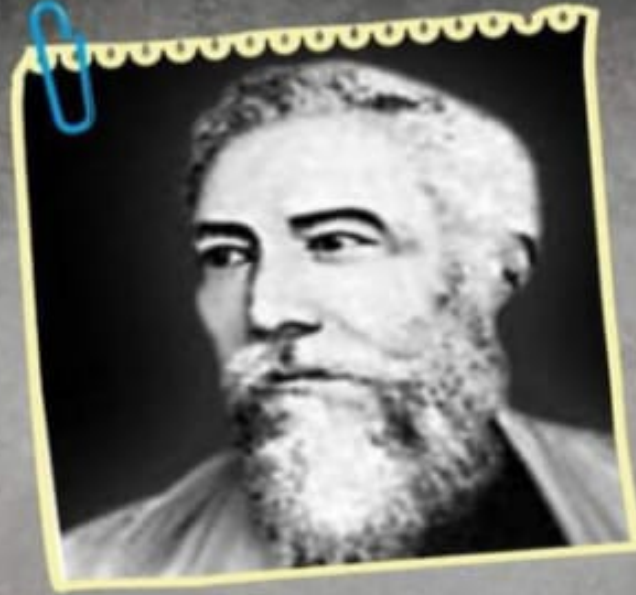


हर वर्ष 15 मई को विश्व परिवार दिवस मनाया जाता है। देश एवं दुनिया को परिवार के महत्व को बताने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, इस बात को हमने कोरोना महासंकट में भलीभांति समझा है। प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसके स्वरूप में परिवर्तन आया और उसके मूल्यों में परिवर्तन हुआ लेकिन उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है, यही कारण है कि विश्व परिवार दिवस परिवार संस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य युवाओं को परिवार के प्रति जागरूक करना है ताकि युवा तथाकथित आधुनिक के प्रवाह में अपने परिवार से दूर न हों। हर वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासचिव परिवार के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के लिए एक थीम की घोषणा करता है। इस वर्ष 2023 के अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस को मनाने के लिए यूएन की थीम "परिवार और जनसांख्यिकी परिवर्तन", जिसका मकसद जनसंख्या में होने वाले महत्वपूर्ण बदलाव और परिवारों पर उनके प्रभाव को लेकर ध्यान केंद्रित करना है।



जयंती विशेष 15 मई

राकेश कुमार



प्रख्यात विद्वान्, हिन्दू दार्शनिक, धर्म सुधारक, तत्वबोधिनी सभा
एवं ब्रह्म समाज के संस्थापकों में से एक

देवेन्द्रनाथ ठाकुर जी

की जयंती पर शत-शत नमन!

देवेन्द्रनाथ ठाकुर अथवा 'देवेन्द्रनाथ टैगोर' *Devendra Nath Thakur*, जन्म: 15 मई, 1817; मृत्यु: 19 जनवरी, 1905) कलकत्ता निवासी द्वारकानाथ ठाकुर के पुत्र थे, जो प्रख्यात विद्वान् और धार्मिक नेता थे। अपनी दानशीलता के कारण उन्होंने 'प्रिंस' की उपाधि प्राप्त की थी। पिता से उन्होंने ऊँची सामाजिक प्रतिष्ठा तथा ऋण उत्तराधिकार में प्राप्त किया था। नोबेल पुरस्कार विजेता रबीन्द्रनाथ ठाकुर देवेन्द्रनाथ ठाकुर के पुत्र थे।



Teachers of Bihar
The Change Makers

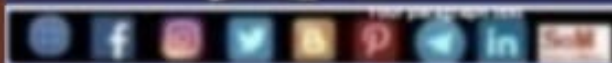
राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 15.05.2024

योग्यता विकास

योग्यता विकास एक या कई दक्षताओं को एक विशिष्ट तरीके से और एक विशेष दिशा में विकसित करने का अभ्यास है। संगठन में कर्मचारियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और सुधारना, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारी जुड़ाव की उच्च दर कम क्षरण होगी।



www.teachersofbihar.org



रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज **जेम्स एंडरसन** ने क्रिकेट से **रिटायरमेंट** का ऐलान कर दिया है। 41 साल के **एंडरसन** ने साल 2003 में लॉर्ड्स में अपना **टेस्ट डेब्यू** किया था। वह 187 टेस्ट मैचों में **700 विकेट** ले चुके हैं।



Today's Quiz



Quiz Number 387

"अठन्नी" में कौन सा
समास हैं ?

A. कर्मधारय समास

B. तत्पुरुष समास

C. द्वंद समास

D. द्विगु समास



www.teachersofbihar.org



TOB बूझो तो जानें...



देहरादून निकट है नीचे, अधिक नहीं है दूरी, पर्वत
की रानी कहलाती, आदि कटे पर सूरी... बुझो तो
जानें ?



www.teachersofbihar.org





TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

शारीरिक शिक्षकों की सक्षमता परीक्षा हेतु

100 प्रश्नों की शृंखला

10.05.2024 से शुरू

टीचर्स ऑफ बिहार का एक प्रयास अपने शिक्षकों के लिए

51. कबड्डी किस देश का राष्ट्रीय खेल है? – बांग्लादेश का
52. चेज, फ्रीजो एवं पोन शब्द किस खेल से संबंधित है? – खो-खो से
53. 'अलका तोमर' किस खेल स्पर्धा से सम्बंधित हैं? – कुश्ती से (कुश्ती के लिए अर्जुन पुरस्कार)
54. 'इंदिरा गाँधी कप' किस खेल से संबंधित है? – मुक्केबाजी से
55. 'नाक आउट' किस से संबंधित शब्द है? – मुक्केबाजी से
56. 'नेटबॉल' में एक पक्ष में कितने खिलाड़ी होते हैं? – 7 (नेटबॉल खेल Basketball के खेल की तरह ही होता है, नेटबॉल के खेल के मैदान की लंबाई 100 फीट तथा चौड़ाई 50 फीट होती है)
57. अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) का मुख्यालय कहाँ स्थित है? – लौसने (स्विट्जरलैंड) में, स्थापना : 23 जून 1894
58. आधुनिक ओलम्पिक खेलों का जनक किसे कहा जाता है? – पियरे डी कुबर्तिन को (पियरे फ्रेडे,
59. आधुनिक ओलम्पिक खेलों का प्रारंभ किस वर्ष हुआ? – 1896 ई. में
60. आधुनिक ओलम्पिक खेलों को किसने प्रारंभ किया? – पियरे डी कुबर्तिन ने





International Day of Families



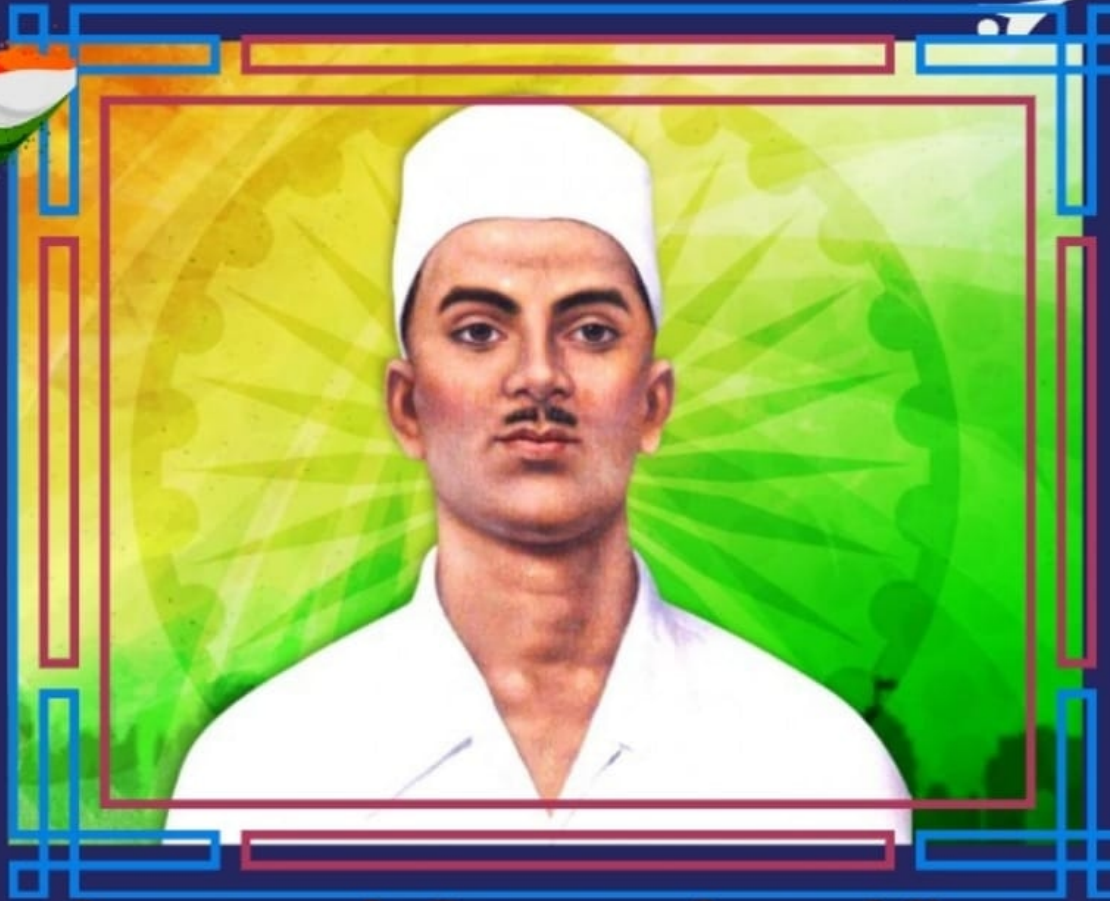
अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं।

15 मई

www.teachersofbihar.org

Madhu priya



क्रांतिकारी, स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में प्रमुख भूमिका
निभाने वाले, महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों में से एक

सुखदेव थापर

की जयंती पर सादर नमन।

जन्म- 15 मई 1907 - मृत्यु- 23 मार्च 1931

Madhu priya



15 मई 2024

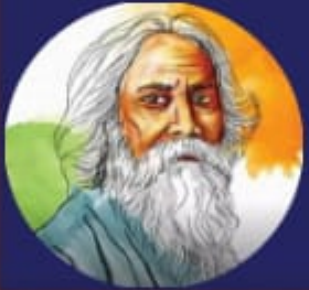
Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने
हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर हैं।

रबीन्द्रनाथ टैगोर



राकेश कुमार



www.teachersofbihar.org